चंडीगढ, 9 अगस्त। आज का युग रिफार्म, परफार्म और ट्रांसफार्म का युग है। यदि सुधार के परिणाम नहीं आते और उनसे समाज में बदलाव नहीं आता तो पूरी प्रक्रिया बेकार है। शिक्षा के क्षेत्र में यह बात अधिक लागू होती है। इसलिए विश्वविद्यालय इस पर खरा उतरने के लिए कमर कस लें। ये उद्‌गार हरियाणा के राज्यपाल प्रो0 कप्तान सिंह सोलंकी ने आज हरियाणा राजभवन में राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक में बोलते हुए व्यक्त किए। बैठक का आयोजन हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद् ने किया था। बैठक में इस समय हरियाणा में उच्चतर शिक्षा की स्थिति का आकलन कर भविष्य के लिए विजन पर विचार–विमर्श किया गया।

राज्यपाल ने आगे कहा कि शिक्षा में ऐसा सुधार किया जाए कि उससे विद्यार्थियों में कौशल व संस्कार आए और वे परफार्म करें। इसके बाद उसका असर समाज में दिखाई भी दे। इस तरह जो परिवर्तन आएगा वह स्थायी होगा। उन्होंने कहा कि हम जैसा समाज व देश बनाना चाहते हैं उसका प्रारंभ शिक्षा से होता है। इसलिए शिक्षा में गुणवत्ता लाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य क्लास रूम में दिखाई देता है। जो कुछ क्लास रूम में हो रहा है उसी में राष्ट्र के भविष्य के बीज छिपे हैं। इसलिए शिक्षक का कर्त्तव्य है कि वह देश की जरूरत के अनुसार शिक्षा प्रदान करे।

प्रो0 सोलंकी ने कुलपतियों से कहा कि वे अपना उद्‌देश्य समझें, उसके अनुसार योजना बनाएं और उसे कार्यान्वित भी करें। उन्होंने विश्वविद्यालयों को फेसलैस, पेपरलैस और कैशलैस बनाने का आग्रह भी किया। उन्होंने सब विश्वविद्यालयों में समान फीस लागू करने का कोई फार्मूला तैयार करने को भी कहा।

इससे पहले हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष प्रो0 बी0 के0 कुठियाला ने कहा कि राज्य में उच्चतर शिक्षा की दशा काफी अच्छी है। लेकिन अभी हमें और आगे बढना है। उन्होंने कहा कि उच्चतर शिक्षा में लड़कियां की संख्या निरंतर बढ रही है। नियमित शिक्षकों की कमी को पूरा करने का प्रयास भी हो रहा है। राज्यपाल के सचिव डॉ0 अमित कुमार अग्रवाल ने बैठक में सबका स्वागत किया।

बैठक में उच्चतर शिक्षा विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती ज्योति अरोड़ा, महानिदेशक अनुराग अग्रवाल आदि उपस्थित थे।